स्पेस में भेजे जानेवाले ह्यूमन रोबो व्योममित्र के जनक डॉ. देव वैष्णव विवि की प्रतियोगिता नवयंत्रम में बोले

रोबो इंसानों को रिप्लेस नहीं कर सकेंगे क्योंकि मशीन चलाने के लिए ह्यूमन स्किल ज़रूरी है

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

इसरो इनर्शियल सिस्टम्स के प्रमुख और गगनयान स्पेसक्राफ्ट के साथ भेजे जाने वाले ह्यूमनॉइड रोबो बनाने वाली टीम के प्रमुख डॉ. सैम दयाला देव का कहना है कि "स्पेस रोबोटिक्स अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। खेतों से लेकर रेस्तरां, मेडिकल, डिफेंस, मैन्यूफेक्चर और अब अंतरिक्ष में भी रोबोटिक्स के ज़रिए हम नई सफलता अर्जित कर रहे हैं। फ्यूचर यही है। इसलिए इस क्षेत्र में पढ़ाई युवाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। यह एक भ्रांति है कि रोबो मनुष्यों को रिप्लेस कर देंगे। इनका इस्तेमाल बढ़ा तो हर क्षेत्र में नौकरियां खत्म होने लगेंगी।, पर ऐसा होगा नहीं क्योंकि ह्यूमन ब्रेन और स्किल को कोई रिप्लेस नहीं कर सकता।'

वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय की नेशनल रोबोटिक्स कॉम्पीटिशन 'नवयंत्रम 2021' की इनॉग्रल सेरेमनी में डॉ. देव युवाओं और फैकल्टी से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कम्प्यूटर विज़न, मिक्स्ड रिएलिटी, रोबोटिक्स रिएलिटी, कोलेबरेटिव रोबो, टेली रोबोटिक्स के बारे में भी बताया और समझाया कि किस तरह इन तकनीकों से कम कीमत में एफिशिएंट रोबो बनाए जा सकते हैं।

रोबोटिक्स की बदौलत ही हम इंडस्ट्री 4.0 तक पहुंचने में कामयाब रहे

डॉ. सैम दयाला देव

ह्यूमनॉइड रोबो व्योममित्र

डॉ. उपिंदर धर

वैष्णव प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. नमित गुप्ता ने कहा - हम इंडस्ट्री 4.0 के युग में हैं। यह सब संभव हुआ है रोबोटिक्स और ऑटोमेशन की मदद से। आज हम जिस रोबोटिक्स के बल पर इंडस्ट्री मे इतनी प्रगति कर पा रहे हैं उसकी नींव 1950 मे रखी गई थी। इसी दौर में रोबो का निर्माण किया गया था। यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने कोरोना और 1918 में फैले स्पेनिश फ्लू की तुलना की। उन्होंने कहा कि इस महामारी को कुछ हद तक नियंत्रित करने में यदि हम सफल रहे हैं तो उसमें तकनीक का बड़ा योगदान है। कई देशों में कोविडकाल में रोबो की मदद से पेशेंट मैनजमेंट, सैम्पल कलेक्शन और रिपोर्ट जनरेशन हो सका। इस वैश्विक विपत्ति से सबक लेते हुए हमें ऐसी आपात स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मानव जाति के लिए रोबोटिक्स अनुसंधान कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। कोरोना महामारी के इस काल में भी हमने देखा कि कैसे रोबोटिक्स का उपयोग हम विभिन्न तरह के कार्यों में ले सकते हैं। रोबोट को मानव की जगह अंतरिक्ष में भेजना कारगर साबित हो सकता है। रोबोटिक्स अनुसंधान के लिए कंप्यूटर विजन, मिक्स्ड रियलिटी, रोबोटिक्स रियलिटी, कोलेबरेटिव रोबोट, टेली रोबोटिक्स पर काम करके कम लागत में बेहतर रोबोट तैयार किए जा सकते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का रोबोट व्योममित्र जब अंतरिक्ष में जाएगा तो वहां भारतीय तिरंगा भी लहराएगा।

यह कहना है इसरो (आइआइएसयू) के निदेशक डी. सैम दयाला देव का। वे श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के

नवयंत्रम के शुभारंभ पर आनलाइन संबोधित करते डी. सैम दयाला देव। ● नईदुनिया

राष्ट्रीय रोबोटिक प्रतियोगिता 'नवयंत्रम' के शुभारंभ अवसर पर गुरुवार को आनलाइन संबोधित कर रहे थे। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने रोबोटिक्स की दुनिया में हो रहे कामों की रोचक जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में रोबोट की भूमिका महत्वपूर्ण है। इन्हें बड़े सुरक्षित तरीके से अंतरिक्ष में पहुंचाना होता है और बारीकी से इनकी गतिविधियों पर निगरानी रखनी होती है।

हास्पिटलों में भी हो रहा रोबोट का उपयोग : श्री वैष्णव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान के निदेशक डा. नमित गुप्ता ने कहा कि आज हम जिस रोबोटिक्स के बल पर इंडस्ट्री में प्रगति करते जा रहे हैं, उसकी नींव 1950 में रखी गई थी। इस समय सबसे पहले रोबोट का निर्माण किया गया था। रोबोटिक्स ने हमारी जीवन शैली को काफी उन्नत तरीके से बदल दिया है। कुलपति डा. उपिंदर धन ने कहा कि महामारी को कुछ हद तक नियंत्रित करने में तकनीक ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। विदेश के साथ अब भारत में भी रोबोट का उपयोग हास्पिटल में किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी और डा. धर ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए संस्थान में संचालित किए जा रहे रोबोटिक आटोमेशन, बिग डाटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सौर ऊर्जा संबंधी कार्यों के बारे में बताया।

‘भारतीय रोबोट जब अंतरिक्ष में जाएगा तो वहां तिरंगा लहराएगा’

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ रोबोटिक्स प्रोग्रामिंग द्वारा हर तरीके से कार्य करने में सक्षम है। रोबोट्स को मानव की जगह अंतरिक्ष में भेजना कारगर साबित हो सकता है। यह बात गुरुवार को श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय (एसवीवीवी) द्वारा आयोजित दो दिनी राष्ट्रीय स्तर की रोबोटिक प्रतियोगिता ‘नवयंत्रम’ में मुख्य अतिथि के रूप में इसरो प्रमुख डॉ. सैम दयाल देव ने कही।

कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी व कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। वैष्णव प्रोद्यौगिकी एवं विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. नमित गुप्ता ने कहा आज हम इंडस्ट्री 4.0 के युग में रह रहे हैं। यह सब संभव हुआ है रोबोटिक्स व ऑटोमेशन से। डॉ. धर ने आज की कोरोना महामारी का 1918 की स्पेनिश फ्लू के साथ तुलना करते हुए कहा, आज हम इस महामारी को कुछ हद तक नियंत्रित करने में सक्षम हुए हैं तो वह तकनीक की वजह से। आभार सचिव कमल नारायण भुराड़िया ने माना।